B.A .part 3 5th paper

गया।

वारेन हेस्टिंग्स के कार्यकाल और उसके प्रमुख सुधार का वर्णन

1750 में हेस्टिंग्स कम्पनी के एक क्लर्क के रूप में कलकत्ता पहुंचा और अपनी कार्य कुशलता के कारण शीघ्र ही वह कासिम बाजार का अध्यक्ष बन गया। 1772 में इसे बंगाल का गवर्नर बनाया गया। 1773 के 'रेग्यूलेटिंग एक्ट' के द्वारा इसे 1774 में बंगाल का गवर्नर जनरल बनाया गया। अपने प्रशासनिक सुधार के अन्तर्गत हेस्टिंग्स ने सर्वप्रथम 1772 में 'कोर्ट ऑफ डाइरेक्टर' के आदेशानुसार बंगाल से द्वैध शासन की समाप्ति की घोषणा की और सरकारी खजाने का स्थानान्तरण मुर्शिदाबाद से कलकत्ता किया।

Scanned with CamScanner

'राजस्व सुधार' के अन्तर्गत हेस्टिंग्स ने राजस्व की वसूली का अधिकार कंपनी के अधीन कर दिया और राजस्व वसूली में सहायता देने वाले दो भारतीय उपदीवानों को पदमुक्त कर दिया। हेस्टिंग्स ने 'बोर्ड ऑफ रेवेन्यू' की स्थापना की जिसमें कम्पनी के राजस्व संग्राहक नियुक्त किये गये। भूमि कर सुधार के अन्तर्गत 1772 तक संग्रहण का अधिकार ऊंची बोली बोलने वाले जमींदारों को 5 वर्ष के लिए दिये गये और उन्हें भूस्वामित्व से मुक्त कर दिया गया। 1773 में कर व्यवस्था में परिवर्तन के अन्तर्गत भ्रष्ट कलेक्टरों को पदमुक्त कर भारतीय दीवानों की नियुक्ति की गई। इस पंचवर्षीय भू-राजस्व व्यवस्था से कृषकों को काफी हानि हुई। 1776 में पांच साल के ठेके पर भू-राजस्व वसूलने की व्यवस्था खत्म कर दी गई और इसके स्थान पर एक वर्षीय व्यवस्था को पुनः लागू किया गया। राजस्व वसूली के अधिकार नीलाम कर दिये गये, साथ ही अब जमींदारों पर पहले से अधिक विश्वास किया गया। 1781 के

Scanned with CamScanner

परिवर्तन के अन्तर्गत कलेक्टरों को पुनः जिले में नियुक्त किया गया और उन्हें कर को तय करने का अधिकार पुनः मिल गया।

हेस्टिंग्स ने 'न्याय सुधारों' के अन्तर्गत जमींदारों से न्यायिक अधिकार छीन लिए। उसकी न्याय व्यवस्था मुगल प्रणाली पर आधारित थी। 1772 में इसने प्रत्येक जिले में एक फौजदारी तथा दीवानी अदालतों की स्थापना की। दीवानी न्यायालय क्लेक्टरों के अधीन थे जहां पर 500 रुपये तक के मामलों का निपटारा किया जाता था। 500 रुपये से ऊपर के मुकदमों की सुनवायी सदर दीवानी अदालत करती थी जिसका सर्वोच्च परिषद का प्रधान तथा दो अतिरिक्त सदस्य होते थे। हिन्दुओं के मामलों का निपटारा हिन्दू विधि से तथा मुसलमानों का मुस्लिम कानून से किया जाता था। न्यायाधीश को उपहार एवं शुल्क लेने पर मनाही थी। सामाजिक सुधारों के अन्तर्गत हेस्टिंग्स ने 1781 में कलकत्ता में मुस्लिम शिक्षा के विकास के लिए प्रथम मुस्लिम कालेज की स्थापना भी की।

Scanned with CamScanner